ISSN :- 2350-0816

शोध-निस्यन्द

जैनविद्या एवं प्राच्य विद्याओं पर केन्द्रित
अंतर्विषयी त्रैमासिक शोध पत्रिका

Sodha-Nisyanda

Special Focus on Jainology & Indology
(A Peer Reviewed Quarterly Journal of Inter Disciplinary Research)

सम्पादक
मनीषकुमार जैन, प्राकृताचार्य

सहसम्पादक
राजा पाठक
ज्योतिष विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय,
वाराणसी, उ०प्र०

Year - 3 | Volume – 1 To 4 | (January – December 2017)

प्रकाशक

सार्वभौमिक प्राच्य विद्या संस्था
नरिया वाराणसी

धान सम्पादक
डॉ0 सुपार्श्वकुमार जैन
मुजफ्फरनगर

अतिथि सम्पादक
प्रो0 यदुनाथ दुबे
कुलपति,
सं0सं0वि0वि0, वाराणसी

परामर्श मण्डल

प्रो0 अशोककुमार जैन,
का0हि0वि0वि0,
वाराणसी

प्रो0 कमलेशकुमार जैन,
का0हि0वि0वि0,
वाराणसी

प्रो0 हरिशंकरपाण्डेय,
सं0सं0वि0वि0,
वाराणसी

डॉ0 शत्रुघ्न त्रिपाठी,
का0हि0वि0वि0,
वाराणसी

प्रो0 वीर सागर जैन,
एल.बी. एस.
दिल्ली

डॉ0 अनेकान्त जैन,
एल.बी. एस.
दिल्ली

डॉ0 रामशंकर सिंह
का0हि0वि0वि0,
वाराणसी

डॉ0 ओमप्रकाश सिंह
पार्श्वनाथ विद्यापीठ
वाराणसी

सम्पादक मण्डल

डॉ0 विवेकानन्द जैन,
, का0हि0वि0वि0,
वाराणसी

डॉ0 संजीव सर्राफ ,
का0हि0वि0वि0,
वाराणसी

डॉ0 ममता उपाध्याय,
गौतमबुद्ध नगर

डॉ0 उर्मिला जैन
मुजफ्फरनगर

डॉ0 धर्मेन्द्र जैन
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान
जयपुर

डॉ0 पंकज जैन
, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान
भोपाल

डॉ0 आनन्द जैन,
राष्ट्रिय संस्कृतसंस्थान
जयपुर

श्रीमती नीतू जैन
जैन अध्ययन केंद्र
टी एम यू मुरादाबाद

प्रियंका कुमारी,
का0हि0वि0वि0,
वाराणसी

डॉ0 आलोक जैन,
वीर सेवा मन्दिर
दिल्ली

डॉ0 धनंजय पाठक
गौतमबुद्ध नगर

श्वेता जायसवाल,
का0हि0वि0वि0
वाराणसी

प्रबन्ध सम्पादक

सौरभ कुमार जैन,
श्रीमती रेणु जैन
वाराणसी

सदस्यता शुल्क
एक अंक – 500 वार्षिक शुल्क – 1800

अनुक्रमणिका

क्र.	शोध पत्र का शीर्षक	लेखक	पृष्ठ सं0
1.	आचार्य श्री 108 विद्यासागर :एक अनुशलन	प्रो0 डॉ0 सुदर्शन लाल जैन	01–06
2.	आचार्य का आचार्यत्व (व्यक्तित्व आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज)	डॉ. योगेश कुमार जैन डॉ. श्वेता जैन	07–14
3.	षट्शती' में वर्णित व्रत महिमा	डॉ0 सुनील जैन 'संचय'	15–23
4.	वर्तमान परिवेश में नैतिकशिक्षा एवं व्यक्तित्व विकास की प्रासंगिकता आचार्यश्री विद्यासागर की रचनाओं के संदर्भ में	श्री मती मधु जैन	24–27
5.	सर्धेणक और संस्कृत	सोनल कुमार जैन	28–31
6.	अनेकान्तवाद और आधुनिक विज्ञान	श्रीमती नीतू जैन	32–44
7.	"त्रयाणां रूपकाणां परिप्रेक्ष्ये महाकविकालिदासस्य वेदानुप्राणितचिन्तनम्"		45–49
8.	समसामयिक विश्व में योग के विविध आयाम	डॉ ममता उपाध्याय	50–58